वर्ष : 2021-22

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवंबर 2021)

पाठ्यक्रम :बी.ए.प्रोग्राम

सत्र - 1

पेपर : हिंदी भाषा और संप्रेषण AECC

शिक्षक : डॉ.अंशु यादव

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : भाषिक संप्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

(1) संप्रेषण की अवधारणा और महत्व

(2) संप्रेषण की प्रक्रिया

(3) संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

(4) अभाषिक संप्रेषण

इकाई 2: संप्रेषण के प्रकार

(क) मौखिक और लिखित

(ख) वैयक्तिक , सामाजिक संप्रेषण और व्यावसायिक

(3) भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर

(4) संप्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई 3 : संप्रेषण के माध्यम

(1) एकालाप

(2) संवाद

(ख) सामूहिक चर्चा

(4) जनसंचार माध्यमों पर संप्रेषण : कंप्यूटर-इंटरनेट,ई-मेल,ब्लॉग,वेबसाइट

इकाई 4: व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक संप्रेषण

(1) व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता- आयु,लिंग,वर्ग,शिक्षा

(2) प्रभावी संप्रेषण के गुण-शुद्ध उच्चारण,भाषिक संरचना की समझ,भाषा व्यवहार ,शब्द सामर्थ्य,शैली,सुर-लहर,अनुतान,बलाघात

(3) प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में संप्रेषण की भूमिका

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का परिचय भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से होगा। विद्यार्थियों को संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी होगी। प्रभावी संप्रेषण का महत्व जानने के साथ-साथ रोजगार संबंधी क्षेत्रों के विषय में भी उनकी जानकारी बढ़ेगी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन वाचन पाठ पठन में भी विद्यार्थी सक्षम हो सकेंगे।

शिक्षण समय  : 14 सप्ताह (लगभग )

कक्षाएं :AECC पेपर के पाठ्यक्रम अनुसार सप्ताह के 4 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाएँगी ।असाइनमेंट टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

|  |  |
| --- | --- |
| सप्ताह | विषय  |
| सप्ताह 1  | संप्रेषण की अवधारणा और महत्व |
| सप्ताह 2 | संप्रेषण की प्रक्रिया और संप्रेषण के विविध मॉडल |
| सप्ताह 3 | अभाषिक संप्रेषण,संप्रेषण के प्रकार -मौखिक और लिखित संप्रेषण      |
| सप्ताह 4,5 | वैयक्तिक,सामाजिक और व्यावसायिकभ्रामक और प्रभावी संप्रेषण में अंतर संप्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ    |
| सप्ताह 7,8 |  संप्रेषण के माध्यम:एकालाप,संवाद,सामूहिक चर्चा जनसंचार माध्यमों पर संप्रेषण-कंम्पयूटर,इंटरनेट,ई-मेल,ब्लॉग,वेबसाइट   |
| सप्ताह 9 | व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक संप्रेषण  |
| सप्ताह 11 | व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता-आयु,लिंग,वर्ग,शिक्षा  |
| सप्ताह 12 | प्रभावी संप्रेषण के गुण-शुद्ध उच्चारण,भाषिक संरचना की समझ आदि |
| सप्ताह 13 | प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में संप्रेषण की भूमिका  |
| सप्ताह 14 | आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियांटेस्ट एवं असाइनमेंट आदि |

सम्बंधित पुस्तकें :

● हिंदी का सामाजिक संदर्भ -रविंद्र नाथ श्रीवास्तव

● संप्रेषण- परक व्याकरण :सिद्धांत और स्वरूप -सुरेश कुमार

● प्रयोग और प्रयोग- वीआर जगन्नाथ

● भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका -विद्यानिवास मिश्र

● संप्रेषण :चिंतन और दक्षता- डॉ मंजू मुकुल

**वर्ष : 2021-2022**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर**2021**)**

**पाठ्यक्रम : बी.ए.हिंदी (विशेष )**

**सत्र : 5**

**पेपर : अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य**

**शिक्षक : डॉ. अंशु यादव**

**पाठ्यक्रम**

इकाई 1 :

विमर्शों की सैद्धांतिकी

1. दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन फूले और अंबेडकर

2. स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय

दलित स्त्रीवाद,लिंगभेद, पितृसत्ता

3. आदिवासी विमर्श :अवधारणा और आन्दोलन, जल जंगल ज़मीन और पहचान का सवाल

इकाई 2:

विमर्श मूलक कथा साहित्य:

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम

2. हरीराम मीणा- धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167

3. ब्रजमोहन- क्रांतिवीर मदारी पासी,पृष्ठ संख्या-44-57

4.नासिरा शर्मा-खुदा की वापसी

इकाई 3:

विमर्शमूलक कविता:

(1) दलित कविता :(1)हीरा डोम (अछूत की शिकायत),(2) मल्खान सिंह (सुनो ब्राह्मण),(3) नगीना सिंह ( कितनी व्यथा),(4) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा),(5)असंगघोष(मैं दूँगा माकूल जवाब)

(ख)स्त्री कविता :(1) अनामिका (स्त्रियां)(2)निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो)(3) कात्यायनी (साथ भाइयों के बीच चम्पा),(4)सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ ?)

इकाई-4 :

विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1.प्रभा खेतान,वरिष्ठ 28-42 :अन्या से अनन्या तक

2.तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ,प्रष्ठ संख्या 125 से 135)

3.महादेवी वर्मा: स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

4.श्यौराज सिंह‘बेचैन’-मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली:बड़ी दुनिया में छोटे कदम,यहाँ एक मोची रहता था।)

**पाठ्यक्रम विवरण :**

भारतीय समाज में स्थित विभिन्न अस्मिताओं की जानकारी प्राप्त होगी। व्यक्ति और समाज के संबंधों के बारे उचित ज्ञान प्राप्त होगा।स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श की सैद्धांतिक समझ बढ़ेगी।इन विमर्शों के प्रति संवेदनशीलता में विस्तार होगा। सजगता एवं जागरूकता बढ़ेगी।इन अस्मिताओं पर आधारित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से व्यावहारिक समझ का विकास होगा।उनका संवेदनात्मकविश्लेषण जीवन व्यवहार में उपयोगी रहेगा।

**शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : विश्वविद्यालय  द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज की समय-सारणी के अनुरूप कक्षाएं आयोजित की जाएंगी|  विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ अतिरिक्त पठन सामग्री भी प्रदान की जाएगी ।**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1  | विमर्शों की सैद्धांतिकी |
| सप्ताह 2 | दलित विमर्श  |
| सप्ताह 3 | स्त्री विमर्श  |
| सप्ताह 4 | आदिवासी विमर्श |
| सप्ताह 5 | सामूहिक चर्चा एवं प्रथम असाइनमेंट |
| सप्ताह 6 | **सलाम कहानी** |
| सप्ताह 7 | धूणी तपे तीर  |
| सप्ताह 8 | खुदा की वापसी , क्रांतिवीर मदारी पासी          |
| सप्ताह 9 | विषय प्रस्तुति,द्वितीय असाइनमेंट   |
| सप्ताह 10 | दलित कविताएँ-और अछूत की शिकायत, सुनो ब्राह्मण ,सोनवा का पिंजरा, मैं दूँगा माक़ूल जवाब           |
| सप्ताह 11 | स्त्री कविताएँ -स्त्रियां,क्या तुम जानते हो ,सात भाइयों के बीच चम्पा,मैं किसकी औरत हूँ           |
| सप्ताह 12 | आत्मकथा - अन्या से अनन्या तक          |
| सप्ताह 13 | आत्मकथा- मुर्दहिया ,निबंध-स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न    |
| सप्ताह 14 | मेरा बचपन मेरे कंधों पर,पुनरावृत्ति   |

सम्बंधित पुस्तकें :

1.सिमोन द बोउवा-स्त्री उपेक्षिता

2.स्त्री अस्मिता,साहित्य और विचारधारा-सुधा सिंह

3.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

4.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -शरण कुमार लिंबाले

5.नारीवादी राजनीति-जिनी निवेदिता

6.आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

•

**वर्ष: 2021-2022**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर**2021**)**

पाठ्यक्रम : बी.ए.विशेष

सत्र/सेमेस्टर : प्रथम

पेपर : हिंदी सिनेमा और उसका ‌‌‌अध्ययन (GE)

शिक्षक : डॉ. अंशु यादव

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : सिनेमा: सामान्य परिचय

1.जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा कि इतिहास यात्रा- वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य

2.सिनेमा की भाषा( विज़ुअल्स और शॉट के आधार पर) शॉट के तत्व, दृश्य, क्रम आदि।

3. सिनेमा के प्रकार- व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

4. सिनेमा की विषयवार कोटियाँ सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, पारिवारिक, कॉमेडी और हॉरर

इकाई 2: सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ

2. सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट हाइपर रीयल

3. हिन्दी सिनेमा के दर्शकों की विविध कोटियाँ, जनता की माँग और पसंद

4. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

इकाई 3. सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक

1.पटकथा , अभिनय, संवाद ,संगीत और नृत्य

2.कैमरा, लाइट, साउंड

3. निर्देशक और निर्देशन ( विख्यात निर्देशकों की चुनिंदा फ़िल्मों का अध्ययन)

4.सिनेमा और सेंसर बोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम

इकाई 4: सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू

2. हिंदी की महत्वपूर्ण फ़िल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान( अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला शोले सद्गति, पार,  भूमिका, ज़ुबैदा, अमर अक़बर एंथनी, गुलाबी गैंग, पीकू, मधुमती, माई नेम इस ख़ान)

3. सिनेमा के दृश्य, तकनीक, कहानी, स्पेशल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत- संगीत आदि की समीक्षा

4.सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र

पाठ्यक्रम विवरण :

हिन्दी सिनेमा जगत की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ बढ़ेगी।सिनेमा के तकनीकी पक्षों कैमरा, ध्वनि और प्रकाश का ज्ञान हासिल होगा ।सिनेमा देखने की नई दृष्टि विकसित होगी और विश्लेषण क्षमता का विकास होगा।फिल्म समीक्षाएं आलोचनात्मक दृष्टि के विकास में सहायक सिद्ध होंगी।विभिन्न पहलुओं की व्यावहारिक समझ रोज़गार की दृष्टि से उपयोगी होगी।

शिक्षण समय  : 14 सप्ताह (लगभग )

कक्षाएं : विश्वविद्यालय  द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज की समय-सारणी के अनुरूप कक्षाएं आयोजित की जाएंगी|  विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित   ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ हिंदी सिनेमा की महत्वपूर्ण फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।ट्यूटोरियल कक्षाओं में सामूहिक चर्चा होगी और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाएगा ।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

|  |  |
| --- | --- |
| सप्ताह | विषय  |
| सप्ताह 1  | सिनेमा का सामान्य परिचय इतिहास यात्रा एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य  |
| सप्ताह 2 | सिनेमा की भाषा शॉट, दृश्य, क्रम           |
| सप्ताह 3 | सिनेमा के प्रकार |
| सप्ताह 4 | सिनेमा की विषयवार कोटियाँ           |
| सप्ताह 5 | सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ  |
| सप्ताह 6सप्ताह 7 | सिनेमा में यथार्थ, ट्रीटमेंट दर्शकों की विविध कोटियाँ |
| सप्ताह 8 | हिन्दी सिनेमा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार |
| सप्ताह 9 | सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक पटकथा,अभिनय            |
| सप्ताह 10 | कैमरा,लाइट,साउंड,निर्देशक और निर्देशन  |
| सप्ताह 11 | सिनेमा के दृश्य, तकनीक सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र  |
| सप्ताह 12 | सिनेमा और सेंसर बोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम |
| सप्ताह 13. | सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू,निर्धारित फ़िल्मों पर चर्चा        |
| सप्ताह 14 | हिंदी की महत्वपूर्ण फ़िल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान |

सम्बंधित पुस्तकें :

1.हिंदी सिनेमा का इतिहास -मनमोहन चड्ढा

2.सिनेमा :कल,आज,कल

3.हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष-प्रकाशन विभाग

4.फिल्म निर्देशन: कुलदीप सिन्हा

5.नया सिनेमा: ब्रजेश्वर मदान

6. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र: जवरीमल पारख

7. विश्व सिनेमा में स्त्री : विजय शर्मा

नोट -प्रत्येक यूनिट में से असाइनमेंट ,विषय प्रस्तुति और लिखित परीक्षा  ली जाएगी और इसी आधार पर विद्यार्थियों के आंतरिक मूल्यांकन के अंक निर्धारित किए जाएंगे |